श्री शिवकेशव स्तुतिः (यम कृतं)

श्री शिवकेशव स्तुतिः (यम कृतं)

ध्यानं |
माधवोमाधवावीशौ सर्वसिद्धिविहायिनौ |
वंदे परस्परात्मानौ परस्परनुतिप्रियौ ||

स्तोत्रं |
गोविंद माधव मुकुंद हरे मुरारे
शंभो शिवेश शशिशेखर शूलपाणे |
दामोदराऽच्युत जनार्दन वासुदेव
त्याज्याभटाय इति संततमामनंति || 1

गंगाधरांधकरिपो हर नीलकंठ
वैकुंठकैटभरिपो कमठाब्जपाणे |
भूतेश खंडपरशो मृड चंडिकेश
त्याज्याभटाय इति संततमामनंति || 2

विष्णो नृसिंह मधुसूदन चक्रपाणे
गौरीपते गिरिश शंकर चंद्रचूड |
नारायणाऽसुरनिबर्हण शार्ङ्गपाणे
त्याज्याभटाय इति संततमामनंति || 3

मृत्युंजयोग्र विषमेक्षण कामशत्रो
श्रीकंठ पीतवसनांबुदनीलशौरे |
ईशान कृत्तिवसन त्रिदशैकनाथ
त्याज्याभटाय इति संततमामनंति || 4

लक्ष्मीपते मधुरिपो पुरुषोत्तमाद्य
श्रीकंठ दिग्वसन शांत पिनाकपाणे |
आनंदकंद धरणीधर पद्मनाभ
त्याज्याभटाय इति संततमामनंति || 5

सर्वेश्वर त्रिपुरसूदन देवदेव
ब्रह्मण्यदेव गरुडध्वज शंखपाणे |
त्र्यक्षोरगाभरण बालमृगांकमौळे
त्याज्याभटाय इति संततमामनंति || 6

श्रीराम राघव रमेश्वर रावणारे
भूतेश मन्मथरिपो प्रमथाधिनाथ |
चाणूरमर्दन हृषीकपते मुरारे
त्याज्याभटाय इति संततमामनंति || 7

शूलिन् गिरीश रजनीशकळावतंस
कंसप्रणाशन सनातन केशिनाश |
भर्ग त्रिनेत्र भव भूतपते पुरारे
त्याज्याभटाय इति संततमामनंति || 8

गोपीपते यदुपते वसुदेवसूनो
कर्पूरगौर वृषभध्वज फालनेत्र |
गोवर्धनोद्धरण धर्मधुरीण गोप
त्याज्याभटाय इति संततमामनंति || 9

स्थाणो त्रिलोचन पिनाकधर स्मरारे
कृष्णाऽनिरुद्ध कमलाकर कल्मषारे |
विश्वेश्वर त्रिपथगार्द्रजटाकलाप
त्याज्याभटाय इति संततमामनंति || 10

अष्टोत्तराधिकशतेन सुचारुनाम्नां
संधर्भितां ललितरत्नकदंबकेन |
सन्नामकां दृढगुणां द्विजकंठगां यः
कुर्यादिमां स्रजमहो स यमं न पश्येत् || 11

इति यमकृत श्री शिवकेशव स्तुतिः |